Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD-304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018

M. A. Philosophy (Semester: Third)

Philosophy

सर्वदर्शन संग्रह भाग–1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. महर्षि पाणिनि कृत अष्टाध्यायी में वर्णित 'प्रत्याहार सूत्रों' का आशय स्पष्ट करें।
2. प्रत्यभिज्ञा से आपका क्या अभिप्राय है? यह दर्शन मोक्ष प्राप्ति में किस प्रकार सहायक है? लिखें।
3. पूर्णप्रज्ञ दर्शन के अनुसार ईश्वर के स्वरूप का विवेचन करें।
4. उपनिषदों में ब्रह्म और आत्मा की एकता को किस प्रकार सिद्ध किया गया है? समझाइए।
5. भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. 'शब्द ही ब्रह्म है' महर्षि पाणिनि के इस कथन को सिद्ध करें।
2. प्रत्यभिज्ञा दर्शन के अनुसार संसारोत्पत्ति (सृष्टि प्रक्रिया) को समझाइए।
3. पूर्णप्रज्ञ दर्शन के बंधन एवं मोक्ष संबंधी विचार को स्पष्ट करें।
4. वेदों और उपनिषदों की दार्शनिक प्रवृत्तियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. गीता में वर्णित 'स्वधर्म' की अवधारणा एवं महत्ता पर प्रकाश डालिए।
6. भारतीय दर्शन के विभिन्न सम्प्रदायों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें।

खण्ड–स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. महर्षि पाणिनि कृत अष्टाध्यायी में कुल कितने सूत्र हैं ?
(अ) 3981 (ब) 3985
(स) 3995 (द) 3996

2. अभिनव गुप्त के व्याकरण गुरू का नाम था .....
(अ) नरसिंह गुप्त (ब) लक्ष्मण गुप्त
(स) भट्टतोत (द) भूतिराज

3. प्रत्याभिज्ञा दर्शन के अनुसार मोक्ष का अर्थ है .....
(अ) स्वर्ग प्राप्ति (ब) ज्ञान प्राप्ति
(स) भौतिक सुख (द) वास्तविक स्वरूप की प्रत्यभिज्ञा

4. स्फोट के कितने भेद हैं ?
(अ) तीन (ब) चार
(स) दो (द) पाँच

5. मध्वाचार्य (पूर्णप्रज्ञ) का भ्रम संबंधी सिद्धांत कहा जाता है .....
(अ) अन्यथा ख्यातिवाद (ब) विपरीत ख्यातिवाद
(स) अख्यातिवाद (द) अभिनव ख्यातिवाद

6. गीता की मुख्य प्रवृत्ति कैसी है ?
(अ) विरोधात्मक (ब) समन्वयात्मक
(स) भावात्मक (द) उपरोक्त में–से कोई नहीं

7. निम्न में–से किस उपनिषद् में अविद्या को 'ग्रन्थि' कहा गया है ?
(अ) वृहदारण्यक (ब) श्वेताश्वर
(स) छान्दोग्य (द) मुण्डक

8. ऋत् का संचालक किसको माना गया है ?
(अ) अग्नि (ब) वरूण
(स) प्रकृति (द) आकाश

9. वेदों को 'श्रुति' क्यों कहा गया है ?
(अ) ऋषियों की वाणी है (ब) देववाणी है
(स) दार्शनिक कथन है (द) उपर्युक्त में–से कोई नहीं

10. उपनिषदों में 'पर ब्रह्म' की व्याख्या किस रूप में की गई है ?
(अ) इति इति (ब) नेति–नेति
(स) अ एवं ब दोनों (द) उपर्युक्त में–से कोई नहीं

----------X----------